

सेवा में,

समस्त विभागाध्यक्ष/कार्यालयाध्यक्ष,
पुलिस विभाग, उत्तर प्रदेश।

विषय:- सेवारत/सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति दावों के भुगतान के संबंध में।

कृपया पुलिस मुख्यालय के परिपत्र संख्या:बारह/ए-चिकित्सा निर्देश-2011 दिनांक 08.10.2014 एवं अधिसूचना संख्या:474/पाँच-6-14-1082/87टीसी दिनांक 04.03.2014 द्वारा निर्गत उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (चिकित्सा परिचर्या) (प्रथम संशोधन) नियमावली-2014 जिसकी प्रति पुलिस मुख्यालय के परिपत्र संख्या:तेईस-चिकित्सा निर्देश-2014 दिनांक 27.03.2014 आपको प्रेषित की गयी है, का अवलोकन करने का कष्ट करें।

2- उपरोक्त अधिसूचना दिनांक 04.03.2014 के नियम-20 को संशोधित करते हुए सेवारत/सेवानिवृत्त सरकारी सेवकों के चिकित्सा दावों के स्वीकृतकर्ता अधिकारी को प्रतिनिधानित अधिकार निम्नवत् संशोधित किये गये हैं:-

दावे की धनराशि	स्वीकर्ता प्राधिकारी
₹0 2,00,000/- तक	कार्यालयाध्यक्ष
₹0 2,00,000/- से अधिक ₹0 5,00,000/- तक	विभागाध्यक्ष
₹0 5,00,000/- से अधिक ₹0 10,00,000/- तक	सरकार में प्रशासकीय विभाग
₹0 10,00,000/- से अधिक	वित्त विभाग के पूर्वानुमोदन और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की संस्तुति के पश्चात सरकार में प्रशासकीय विभाग

3- उपरोक्त नियमावली के नियम 19 के अनुसार ₹0 50,000/- तक के चिकित्सा दावों को जनपद/इकाई में अवस्थित चिकित्सालयों में नियुक्त प्रभारी चिकित्साधिकारी (सरकारी डाक्टर) द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित किया जा सकता है। अतः उक्त धनराशि की सीमा तक के चिकित्सा दावों को मुख्य चिकित्साधिकारी से प्रतिहस्ताक्षरित कराने की आवश्यकता नहीं है।

4- इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (चिकित्सा परिचर्या)नियमावली-2011 एवं प्रथम संशोधन-2014 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत स्वीकृतकर्ता अधिकारी को अपनी सीमा के अन्दर सेवारत पुलिस कर्मियों को चिकित्सा अग्रिम स्वीकृत करने के अधिकार भी प्रदत्त किये गये हैं।

5- इस संबंध में यह भी अवगत कराना है कि उत्तर प्रदेश पुलिस पेंशनर कल्याण संस्थान, लखनऊ की दिनांक 1.9.2014 को हुई बैठक में अवगत कराया गया है कि सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों के दावों का निस्तारण त्वरित गति से नहीं किया जा रहा है। चूँकि सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियोंके ₹0 2,00,000 (₹0 दो लाख) तथा ₹0 5,00,000/- (₹0 पाँच लाख) तक के चिकित्सा दावों के स्वीकृत करने का अधिकार कार्यालयाध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष को अब प्रदान कर दिये गये हैं, अतः उक्त सीमा तक के चिकित्सा दावों का निस्तारण त्वरित गति से कराया जाना सुनिश्चित किया जाये ताकि सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों को आर्थिक कठिनाईयों का सामना न करना पड़े।

6- कृपया उपरोक्त निर्देशों का कड़ाई से अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराया जायें।

Sul
5/9/14
(डा० सूर्य कुमार)

अपर पुलिस महानिदेशक, मुख्यालय
उत्तर प्रदेश।

प्रतिलिपि: श्री एस०के० चन्द्र, पुलिस उपमहानिरीक्षक(सेवानिवृत्त) सचिव, उत्तर प्रदेश पुलिस पेंशनर कल्याण संस्थान, कमरा नं० 419 इन्दिरा भवन, अशोक मार्ग, लखनऊ को सूचनार्थ प्रेषित।